तीन अपराधी उसे स्टेशन मास्टर के क्वार्टर पर ले गये । सहायक स्टेशन मास्टर के पुकारने पर स्टेशन मास्टर बाहर आ गये और पिस्तौल के जोर पर उन्हें अपराधियों के साथ चल पड़ने और मुहरबन्द बंडल में रखी हुई 707 रुपये की नकदी उनके हवाले करने को विवश होना पड़ा । उसके बाद, लूटी हुई नकदी, पुरा से मैनपुरी के 15 टिकट अन्य स्टेशन अभिलेख और सहायक स्टेशन मास्टर की वर्दी की चीजों को लेकर डकैत स्टेशन से चले गये ।

अलीगढ़ की सरकारी रेलवे पुलिस ने 30-12-1967 को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 394 के अधीन अपराध सं० 183 का मामला दर्ज किया था । अभी तक एक आदमी गिरफ्तार हुआ है और पुलिस अभी मामले की जांच-पड़ताल कर रही है । अभी कोई सम्पत्ति बरामद नहीं हुई है ।

**राजस्थान के कोटा और अन्य स्टेशनों से फर्श की टाइलों का निर्यात**

**81. श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बता की कृपाने करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान के कोटा तथा अन्य नगरों से पालिश की हुई तथा बिना पालिश कुछ टाइलें निर्यात की जाती हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि दोनों किस्म की टाइलें बाजार में पृथक-पृथक बेची जाती हैं;

(ग) क्या दोनों किस्म की टाइलों की भाड़े की दरें भिन्न भिन्न हैं और यदि हां, तो उनमें कितना अन्तर है ; और

(घ) 1966-67 में रायगंज और भवानी केन्द्रों से पालिश की हुई और बिना पालिश फर्श की टाइलों से कितनी राशि वसूल हुई ?

**रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) :** (क) राजस्थान के कोटा या अन्य स्टेशनों से बिना पालिश की हुई या पालिश की हुई फर्श की टाइलें बुक नहीं की जातीं । लेकिन कोटा डिवीजन के रामगंज मंडी स्टेशन से फर्श पर बिछाने के लिए इस्तेमाल होने वाली विभिन्न आकारों में कटी हुई पत्थर की सिल्लियां बुक की जाती हैं । पत्थर की इन सिल्लियों में से कुछ पालिश की हुई होती हैं ।

(ख) पालिश की हुई या बिना पालिश की हुई पत्थर की सिल्लियां मिले-जुले रूप में एक साथ बुक की जाती हैं । यह कहना कठिन है कि वे बाजार में अलग-अलग बेची जाती हैं या नहीं ।

(ग) पत्थर की सिल्लियों के लिए माल भाड़ा वही है, चाहे वे पालिश की हुई हों या बिना पालिश की हुई । प्रभार्य दर फुटकर में 50-सी और मालडिब्बा भार में 35-ए है ।

(घ) फर्श के लिए इस्तेमाल होने वाली पत्थर की सिल्लियों के अलग-अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं । 1966-67 में रामगंज मंडी से पत्थर का कुल यातायात जिसमें इस प्रकार की सिल्लियां भी शामिल हैं, 1,43,961 मोटरिक टन था और उनसे कुल 37,07,196 रुपये राजस्व प्राप्त हुआ ।

भवानी मंडी से इस प्रकार का कोई यातायात नहीं हुआ ।

**कोटा रेलवे स्टेशन**

**82. श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोटा रेलवे स्टेशन पर तीसरी श्रेणी का कोई प्रतीक्षा एवं विश्राम कक्ष नहीं है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि वहां पर प्रथम श्रेणी के और प्रतीक्षा कक्षों तथा विकास कक्षों की आवश्यकता है ; और

(ग) यदि हां, तो प्रतीक्षा कक्ष तथा विश्राम कक्ष बढाने के लिए सरकार का क्या कार्यक्रम करने का विचार है और इस कार्य में कितना समय लगने की सम्भावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चं० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं। कोटा रेलवे स्टेशन पर तीसरे दर्जे का एक प्रतीक्षालय पहले से है।

(ख) जी नहीं। अभी नहीं, क्योंकि वर्तमान सुविधाएं पर्याप्त समझी जाती हैं।

(ग) सवाल नहीं उठता।

**Import Licences for Deep Sea Fishing Trawlers**

83. SHRI P. P. ESTHOSE:
SHRI K. RAMANI:
SHRI VISAWANATHA MENON:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have received any representation from the Indian Sea-food Exporters Association, Cochin asking for the grant of import licences for deep sea fishing trawlers; and

(b) if so, the action taken by Government thereon?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Yes, Sir.

(b) The representation is still under consideration of the Government.

**Export of Tyre Cord**

84. SHRI MANIBHAI J. PATEL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that to promote export of tyre cord, an agreement has been concluded with Poland;

(b) if so, the names of Polish and Indian firms representing the two countries and other details of the agreement;

(c) whether it is also a fact that due to the world glut in tyre cord, the Indian exports could only be affected at a substantial loss and whether Government propose to grant any export subsidy;

(d) whether the export of tyre cord is likely to affect domestic prices of tyres; and

(e) whether the possibilities of utilising the cord in some other industries have been considered and if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) No agreement for the export of rayon tyre cord has been concluded at Government to Government level. This item has, however, been included in the list of commodities exportable from India to Poland during 1968.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.

(d) No, Sir.

(e) Yes, Sir. One unit in collaboration with a Canadian firm is registered for the production of cord strappings.

**Operation of Steel Plants**

85. SHRI MANIBHAI J. PATEL: Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be plesed to state:

(a) whether it is a fact that a symposium on the economics of installation and operation of Steel Plants in developing countries was recently held in Delhi;

(b) if so, the countries which participated and the suggestions made in the symposium; and

(c) Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STEEL, MINES AND METALS (DR. CHENNA REDDY): (a) to (c). A Symposium on the "Economics of Installation and Operation of Steel Plants in the Developing Countries" was held in Jamshedpur between January 30, 1968 and February 3, 1968. Apart from India, delegates from the Iron and Steel Institute of Latin America par-